तुब्बरी महने मठने पङ्गी
₹ 5/

तुबारि

www.pangi.in
अब अंग्रेजी, हिन्दी त पंगवाड़ी भाषा अन्तर असी।

Issue 81; 15/12/2018

बिषय सूची

टाई अजीब बोकी के	1
मेघे	2
त किस	2
धन्य मेह्णु	3
मेह्णु के फर्ज	3
तोउं कोठिया एन्ति ई?	4
लखे टके बोके	4

खास दन

22 दिसंबर रेजी त श्रीरि के चेझगि असी, तुसी सोबी हें पांगेई इस नउए तिहारे बधे। तुस सोब इस तिहार कियां बाद सोबी तिहारी के मोज निए। राख धिक कम पिए जेसे बेलि कि तुस अपु त अपु टब्बरे खुश हेरी सकते।

धाणि त **तसे जुएली** केआं अब सते बंटी अठ फेरे लवाण चाहिए। सत फेरे तेन्के व्याहे, आठुं जे फेरा असा, से कुई जे लवाण चहिए कि से कुई बचांते त तेस

टाई अजीब बोकी के गजब चमत्कार

यक राजा थिया से सुसुर न्याए कताथ। से प्रजाई हर सुखे-दुखे चिन्ता अपु टबरे ईं कताथ। पर केहि दिनि केआं खड़ि तसे अन्तर घमण्ड़ ईं एण लगो थिआ, त तसे मन अपु कम करण अन्तर लगण लगो न थिआ। तेन घमण्ड न करणे सुआ कोशिश की, पर से कमयाव न भुआ।

यक रोज राजा जपल राजगुरु केईं गा त राजगुरु राजे मुहँ हेर कड़ तसे मने परिशानी बीझ गा। राजगुरु बोलु, 'राजन, अगर तुस में टाई बोके हर टेम याद रखिएल त जिन्दगी अन्तर कदी बि ना-उम्मीद ना भुन्ते। 'पेहली बोक, रात पक्के किले अन्तर बिशुण। दोकी बोक, अब्बल त स्वाददार रोटि खाण, होर टेकी बोक हमेशा नरम बछाण पुठ उंघुण।' राजगुरु अजीब बोके शुण कड़ राजे बोलु, 'गुरु जी, ईं कर कड़ त में मन अन्तर होर बि सुआ घमण्ड भोई घेण असा।' तोउं राजगुरु मुस्कराई कड़ बोलु, 'तुसी में बोकी मतलब न समझे। अउं तुसी समझांता।'

पेहली बोक हमेशा अपु गुरु जोई साते बिश कड़ इज्जतदार बण बिशुण। कदी बि बुरी आदत अपु मन अन्तर न रखीण। दोकी बोक, कदी बि अब्बल या भरी पेठ रोटि न खाण। जीं बि मिलिएल खुश भोई कड़ त परेम जोई खाण। ईं कर कड़ रोटि खाल त अब्बल त स्वाददार लगती। होर टेकी बोक, घट केआं घट उंघुण। हमेशा खड़ खड़ बिश कड़ अपु प्रजाई रक्षा त देख-भाल करीण। जपल उंघ एण लगीएल त राजसी बछाणे ख्याल छड़ दी कड़ भीं या जेठि बि जगा मेईयेल तेठि उंघ घेण। ईं करणे बेलिए तुसी लगतु कि तुस नरम बछाण पुठ असे। कोईआ, अगर तुस राजे जगाई सेवक बण कड़, देख-भाल करणेबाड़ा बण कड़ या देणेबाड़ा बण कड़ अपु प्रजाई ख्याल रखियाल, त कदी बि घमण्ड़, धन, राजपाठ त कोई मोह तोउ छुड़ न सकता।' घमण्ड़ मठे-मठे बुध्दि नष्ट कड़ छता। राजे बि घमण्ड़ भुण लगो थिआ।

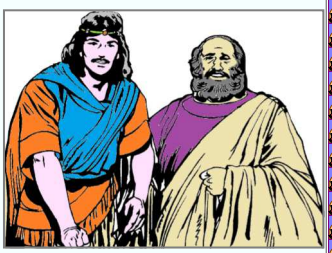

एस अन्तर त राजे अपु गुरु केआं सलहा नी कड़ अपु परीशानी हल कीढ़ छड़ा, पर अगर तुस बि ईं परीशनी अन्तर असे त झठ अपु मन अन्तरा रावण रुपे घमण्ड़ भीं कीढ़ कड़ प्रभु रुपी नउए जाप करे जिन्दगी खुशहाल भोइ घेन्ति, ताकि तुस हमेशा हर घड़ी खुश रेहेल।

तुबारि पत्रिके अन्तर छपो सोबी लेख, त कथा अन्तर भुओ विचार सिर्फ लेखके भो। तुबारि पत्रिके एसे कोई जिम्मेबारी नेई। तुबारि पत्रिका सिर्फ भाषा सुहलियत करण जे यक मंच देण लगो असी।

मेघे

सुआ रोजे भाड़ण केआं बाद यक रोज मेघे लगी।
ईए एलुच जे हक दिती त एलुच खेड़ी
"खड़ी भो! दौड़ी खड़ी भो, दौड़ी कती खरी बोक असी मेघे लगो सी"
एलुचे मुँहु बि ना धु, तेन खोपुड़ बि ना ले, सद खुरी जोई बुटे ले
से सुआ खुश त सुआ बेधरीए बि थी।
जेखेईं से बहेरी गई त बहेरी बत अली त खा खुदे भोई गो थी।
जे तेन ही ब्यादी बत बठ लुखो थी से मेशी गओ थी।
अभेईं बि बत बठ मेघे लगो थी। ई लगण लगो थी कि
जीं कोई बत बठ मेठुण मेठुण मेहणु नचण लगो थिए।
बत सुआ मेहणु थिए त से हला करण लगो थिए।
एलुचे अपफु जोई बोक की
"मोउं सुसुर हांटुण चाहिए जीं सीएणि पेकि जिल्हेणु हेंटती
बिलकुल तिहांणी!"
एलुचे छतरोड़ बठ मेघे लगण लगी त
तेसे बेलि यक अब्बल धुन नसण लगी
तेन तीं धुन पेहला कपले नेओथ शुणो
टप टप टप टप टप
टप टप टप टप टप

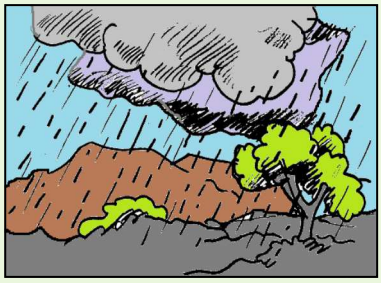

तिएस दन भई मेघे ना रुकी, पुरे दन भई छिटयां लगा
एलुच अगल बेणी सेकुल कियां बि अमरे कना जे हेरी बिशो थी।
जेखेईं एलुच तेसे बोउ सेकुल कियां नेण जे आ
त तेन अपु छतरोड़ ना बिस्री
से सेकुल अपु बुटे, सरकाप बिस्री घेंतिथ
पर तेन अपु छतरोड़ ना बिस्री, बत सुआ मेहणु हला करुं लगो थिए
तोउं एलुचे मन सोचु कि त एपफ जे बोलण लगी
"मोउं सुसुर हांटुण चाहिए जीं सीएणि पेकि जिल्हेणु हेंटती
बिलकुल तिहांणी!"
तेसे बेलि यक अब्बल धुन नसण लगी
तेन ती धुन पेहला कपले ना शुणी
ए घीत एलुचे गी पुजण तकर लगतु री।
एलुच अब मोटि कुई भोई गो थी, से तेन्हि बोकी पुरी बिस्री गो थी
तेस बोकी अब तेस कोई चेता नेओथ
तेस याद भोल ना भोल से तीएस तेसे पहला रोज थिया
जिएस तेन छतरोड़ी चलाण शुचो थी
तेस कियां बी खास त से रोज थिया
से जिएस एलुच बजन ईए बोउए सेकुल घेण लगी
त तेठिया बापस गी एण लगी।

त किस

इस सुआल थिया यक मेठुण कुई,
कोई 10, 12 साले कुई
से यक लमे किड़े पतोती दौड़ण लगो
थी। अउं तेसे पता दौड़ी
तेसे पुछीड़ टाई कइ तेस पतुं जे जोर
देण लगी त हुशेरी दी कइ "सरला ना
कर।"
"किस ना करुं?" तेन पुछु
"ए कोई लुघो या लुणु ना भो ए नाग
भो" मेईं जबाव दता
मोउं नाग किस ना टाण
किस टाण असा
तोउं अस किड़ी खांते, पता असा ना?
सरले बोलु म्युकुड़ कटते
छोड़ बेचते, मांसु खांते
अछा इस फेरी ना कर मेईं बोलु
अउं कती, अउं कती
से टाई कइ तेसे ईया कें नी दे
जेठी से कम कतीथ
तेसे ई टोप बुणण लगो थी
तेसे ईए तेस जे बोलु
"आईए, में पुलो पहाड़ उंघी दे"
"किस"?

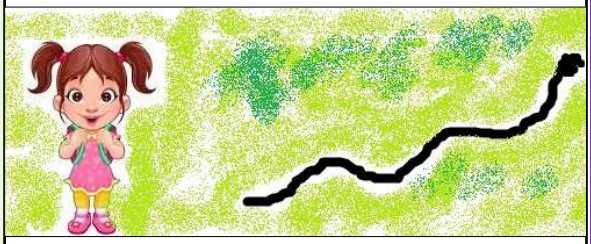

"किस तु थेकि नेई गो ना?" मेईं पुछु
सरलाई जोरी जोई मगर हिला "ना"।

धन्य मेहणु

कतु धन्य असा से मेहणु जे दुष्टी के सलाह पुठ ना हंठता,
होर ना पापी मेहणु जुएई बत खड़ींता त ना बुराई करणेबाड़ी जुएई किठींता!
पर से त परमेश्वरे नियम मानण अन्तर खुश रेहंता,
त दन रात भगवाने वचन पुठ ध्यान कता रेहंता।
से तेस बुटे ईं भुन्ता, जे पोणि चश्मे ओत बसो असा
त सुसुर टेम पुठ अपु फल फलता,
होर तसे पन्ने कदि ना शुकते।
तोउं त, जे कुछ बि से मेहणु करियाल, से कामियाब भोई घेन्तु।
पर दुष्ट मेहणु ईं ना भुन्ते। से तेस केउए ईं भुन्ते, जे ब्यारी बेलिए उडरता।
एस बझई जुएई दुष्ट मेहणु परमेश्वरे सामाड़ी टिग ना सकते,
होर ना पापी धर्मी मेहणु के हुसड़े अन्तर टगते।
किस कि परमेश्वर धर्मी मेहणु अपु बत हंटान्ता, पर दुष्ट मेहणु तेन्के बर्वादी अन्तर छइ छता।

मेहणु के फर्ज

यक फेरी बोक भो भारते महान दार्शनिक गुरु अपु चेली जोई यक फाठ बइ हंटण लगो थिया। से कुछ दूर हंटण किया बाद यक जगाही रुक गे। गुरु बोलु "कोठि कोउं रोलुण लगो असा।" से तेस रोलुण शुण कइ तेसे कना जे घेण लगे। तेसे चेले बि तेसे पता पता घेण लगे यक जगाहि तेन हेरू कि यक जिल्हाणु रोलण लगो असी।

गुरू तेस केआं तेसे रोलणे बझह पुछी त तेन जिल्हाणु बोलु "इस जगहि थारे में कुआ खा। तेस कियां बाद गुरू तेस जल्हेणु जे बोलु "तु त इठि एकेली असी, तें होरा टब्बरा को? तेन जिल्हेणु तेस जे जबाव दता कि हें पुरा टब्बरा इसे फाठ बठ बिश्ता। पर कुछ रोज पेहला एनि थारे में राणे ता घेणि खाई छे। अब अउं त में कोईए इठि बिश्तेथ। आज तेन थारे में कुआ बि खाई छा।

ई शुण कइ से गुरु हेरान भोई कइ तेस जिल्हाणु जे बोलुण लगा कि तुस इस खतनाक जगाई छड़ किस ना देतें। ई शुण कइ जिल्हाणु तेस जे बोलु, "अस तोउं त नेओथ छऔ किस कि इठि केसे अत्याचेरी के शासन त नेई ना। से थार यक ना यक रोज त मरणे ई असा।

एस बठ गुरु अपु चेली जे बोलु जेरूरी एस जिल्हेणु बठ असी तरस खाण चहिए, किस कि एन असी जे सचु सचु बोलो असु। कि यक बुरे शासक राज्य अन्तर बुशुण कियां त खरु असु कि असी, जंगल या रुण बुशण चहिए। जद कि मोउं त करुं असु कि पुरे राज्य मेहणु बि ई सोचुण चहाई कि असी सोबी एसे विरोध करण चाहिए। सत्ताधारी सुधारण जे असी सोभी जेईं उई-मी कइ तेंके विरोध करण चाहिए।

तोउं कोठिया एन्ति ई?

यक रोज यक गभरुवाल जिल्हाणु डाक्टराणि केईं गई। तेस जोई तेसे रेणी त तेसे धेणी बि गे। से हस्ताड़े बहार बुशो थिए। अन्तर डाक्टराणि केईं घेई कइ से रोलुण लगी त बोलु, 'डाक्टर जी, में गिहे बाड़े में पेठ अन्तरा गभुरु लिंग हेरण चहान्ते। जद कि में मन ई करण जे नेई मनण लगो। छने तुस में मदद करे। तुस मोउं इ बत हराले जेसे बेलि कि में ए समस्या टाली घिएल।"

कुछ टेम बाद तेन डाक्टराणि जे बोलु, "तुस में धाणि त रेणी जे बोले कि अगर तुस एस गभुरु लिंग हेरण चहान्ते त अउं एस केस ना नेन्ती। तुस एस सुआण जे होर जगाई घिन घिए।

डाक्टराणि बोलुण लगी "तु किस ना चहान्ति? किस कुआ ना लौता ना तोउ? यक कुई त असी तुसी। त तु किस खतरा नेण लगो असी?" त तेन जिल्हाणु 'खतरा' शब्द शुण कइ हैरान भोई गई त डाक्टराणि जे हेर कइ बोलु,

"मेडम जी, तुस बी ई सोचुण लगियेल त ई कोउं बणती? ई कोठिया एन्ति? त बगैर ई भुमण कीं चलता?

तुबारि मासिक पत्रिका

♦अस इ उम्मिद करुं लगो असे कि एणे बाड़े रोज अन्तर सुआ मेहणु इस कम अन्तर साथोट देन्ते।

♦इस *तुबारि* मासिक पत्रिका समाचार पत्र एक्ट अन्तर रिजिष्ट्रि नेई भो। सिर्फ पांगी घाटि अन्तर पढ़ुं जे त भाषाई सुहलियत करण जे इ पत्रिका शुरु किओ असी।

♦*तुबारि* यक अवाणिज्यिक पत्रिका भो।

♦*तुबारि* पत्रिका कोई मेहणु, जनजाति, त संस्कृति गलती कढ़ेण जे नेई छपाण लगो। अगर कोई ई सोचता बि त अस जिम्मेबार नेई।

♦छपाणे पेह्ले सोभ आर्टिकल दुई टाई पांगेई मेहणु हरालो असे। इ त खुली बोक असी कि पेहलि बार पांगवाड़ि लिखणे सुआ मुशकिल भुन्ति त गलती बि भुन्ति। अगर कोई लिखणे गलती असी त असी जे जरूर बोले। त अस तसे होरे संस्करण पुठ ठीक करणे कोशिश कते।

♦आर्टिकल्स ना मिएल, या घाटि मेहणु के साथोट ना मिएल त *तुबारि* पत्रिका कदी बि बंद भुई सकती।

♦कोई चीज छपाः असी या नेई छपां जे *तुबारि* संपादकीय टीमे पुरा अधिकार असा।

♦अस किलाइ केन्द्रीय पुस्तकालय, त बजार हरिराम लाले दुकान अन्तर *तुबारि* ड्रॉप बॉक्स पुठ बि अपुं सझाव ओर अर्टिक्लस रखुं जे सुविधा किओ असी।

♦अस सोबी पांगी मेहणु जे हात जोड़ कइ अनुरोध कते कि, तुस बि कोई अछा अर्टिक्ल, पुराणि या नोई कथा, कहावत, कविता, त नोई घीत (पागवाड़ी अन्तर) लिख कइ छपां जे हेंघे दिए।

तुबारि संपादकीय टीम

- 9418429574
- 9418329200
- 9418411199
- 9418904168
- 9459828290

लखे टके बोके

- अक्लदार कुआ हेर कइ बोउ खुश भुन्ता, पर मुर्ख कोईए बझई जुएई ई उदास रेहंती।
- दुष्ट त पापी मेहणु के रखो धने बेलिए लाभ ना भुन्ता, पर धर्मे बझई जुएई मरण केईया बच घेन्ते।
- धर्मी मेहणु परमेश्वर कदी ढुके मरण ना देन्ता, पर दुष्ट त पापी मेहणु के इच्छा बि पूरी भुण ना देन्ता।
- जे कम करण हेर सुसत भोई घेन्ता, से गरीब भोई घेन्ता, पर कमेर मेहणु अपु हथेरी बेलिए अमीर बण घेन्ता।
- जे कुआ बरशाड़ बेहड़ता से अक्लदरी जुएई कम करणेबाड़ा भो। पर जे कुआ लुणणे टेम नस-भास उंघ बिश्ता से बेइज्जती बझह बणता।
- धर्मी मेहणु पुठ सुआ अशुश भुन्ति, पर पापी त दुष्ट मेहणु के मुँह नियोकइ छता।